सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

प्रेरणा

"बहाने बनाना आसान है, मगर इतिहास मेहनत करने वालों का लिखा जाता है।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	33°	16°
शनिवार	32°	15°
रविवार	32°	14°
सोमवार	33°	19°
मंगलवार	33°	16°
बुधवार	34°	19°
वीरवार	32°	18°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 06 MARCH TO 12 MARCH 2026 • VOLUME 33 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?

What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

इंग्लैंड को हराकर भारत टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचा

नई दिल्ली. टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम का सामना इंग्लैंड से हुआ। यह मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। इस रोमांचक मैच को टीम इंडिया ने 7 रनों से अपने नाम किया। भारत ने इस मुकाबले को जीतते ही फाइनल में अपनी जगह बना ली है। 8 मार्च को होने वाले फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया का न्यूजीलैंड का सामना होगा। इस मैच में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 253 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने भी भारत को कांटे की टक्कर देते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 246 रन बनाए।

मैच में उनकी टीम ने एक पल के लिए भी ऐसा लगने ही नहीं दिया कि टीम इंडिया यह मैच आसानी से जीत जाएगी, लेकिन आखिरी के तीन ओवर ने मैच को भारत की ओर मोड़ दिया। पहली पारी खेलकर भारत ने 253 रनों का स्कोर खड़ा किया जो टी20 वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबलों में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा टोटल स्कोर है। इससे पहले वेस्टइंडीज की टीम ने साल 2012 के टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉकआउट मुकाबले में 205 रन बनाए थे। भारत और वेस्टइंडीज के बाद तीसरी टीम ऑस्ट्रेलिया और चौथे नंबर पर वेस्टइंडीज है। भारत के लिए संजू सैमसन ने बेहतरी और अहम 89 रन की पारी खेली। इसके अलावा शिवम दुबे ने 43, जबकि ईशान किशन ने 39 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से विल जैक्स और आदिल रशिद ने दो-दो विकेट झटके।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवा दिए। सलाम बल्लेबाज फिल सॉल्ट तीन गेंद में पांच रन ही बना सके। कप्तान हैरी ब्रूक 6 गेंद में सात रन बनाकर आउट हुए। टॉम बैंटन 5 गेंद में 17 रन ही बना सके। विल जैक्स ने 20 गेंद में 35 रन बनाए।

फोटो-बीसीसीआई

...जब पटेल और दूबे ने पकड़ा सनसनीखेज कैच

वानखेड़े स्टेडियम में अक्षर पटेल ने एक सनसनीखेज कैच पकड़ते हुए सबको हैरान कर दिया। ये कैच किसी और का नहीं विपक्षी टीम के कप्तान हैरी ब्रूक का था. भारत की तरफ से पारी का पांचवां ओवर लेकर मैदान में आए जसप्रीत बुमराह ने पहली गेंद धीमी गति से डाली थी, जहां ब्रूक ने बड़ा शॉट लगाने के इरादे से जोरदार तरीके से बल्ला घुमाया, मगर उसमें वह पूरी तरह से नाकामयाब रहे। गेंद स्वीपर कवर की दिशा में उछल गई। एक पल के लिए लग रहा था कि गेंद सीमा रेखा के बाहर चली जाएगी, मगर पॉइंट के पीछे से दौड़ते हुए अक्षर पटेल ने सीमा रेखा के अंदर कैच को पकड़ कर सबको हैरान कर दिया।

पश्चिमी एशिया संकट पर मोदी ने की फ्रांस के राष्ट्रपति से बात

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों नेताओं ने इस मामले पर "संवाद और कूटनीति" की आवश्यकता पर चर्चा की और क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए साझा समन्वय के प्रति प्रतिबद्धता जताई। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में लिखा कि आज मैंने अपने मित्र राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन से बात की। हमने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति पर अपनी साझा चिंताओं और संवाद और कूटनीति की ओर लौटने की आवश्यकता पर चर्चा की। हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए घनिष्ठ रूप से जुड़े रहेंगे और प्रयासों का समन्वय करेंगे। 2 और 3 मार्च के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त

अरब अमीरात, इज़राइल, सऊदी अरब, जॉर्डन, बहरीन, ओमान, कुवैत और कतर के नेताओं से भी बात की। इन चर्चाओं के दौरान, प्रधानमंत्री ने संबंधित देशों में हुए हालिया हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने इन देशों में रहने वाले विशाल भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कुशलक्षेम के बारे में भी जानकारी ली, जो क्षेत्रीय अशांति के बीच भारत की प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने को दर्शाता है।

ये मुलाकातें अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी के निरंतर राजनयिक प्रयासों का आधार हैं। रविवार को, उन्होंने इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी टेलीफोन पर बातचीत की, जिसमें उन्होंने शांति बहाल करने के लिए क्षेत्र में सभी प्रकार की शत्रुता को शीघ्र समाप्त करने के भारत के आह्वान को दोहराया। इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति ने मंगलवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान को इस स्थिति के लिए "मुख्य रूप से जिम्मेदार" बताया और कहा कि इस राष्ट्र ने "एक खतरनाक परमाणु कार्यक्रम और अभूतपूर्व बैलिस्टिक क्षमताएं विकसित की हैं, जिन्होंने पड़ोसी देशों में आतंकवादी समूहों को हथियार और धन मुहैया कराया है।"

मध्य पूर्व में फंसे पंजाबियों की सुरक्षित वापसी के लिए मान सरकार ने वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती की, 24x7 हेल्पलाइन स्थापित

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मध्य पूर्व क्षेत्र में जारी युद्ध जैसी स्थिति के बीच वहां फंसे पंजाबियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने पूरी प्रक्रिया के समन्वय और निगरानी के लिए दो वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात किया है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार तुरंत प्रभाव से 24×7 हेल्पलाइन पहले ही स्थापित कर दी गई है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आर.के. जैसवाल को हेल्पलाइन का ओवरऑल इंचार्ज नियुक्त किया गया है, जबकि गृह विभाग के सचिव विमल सेतिया को समन्वय और निगरानी के उद्देश्य से नोडल अधिकारी

बनाया गया है। नोडल अधिकारी को भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ़ एक्सटर्नल ऑफेयर्स के साथ निरंतर संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। नोडल अधिकारी मध्य पूर्व एशिया और अन्य देशों में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर लगातार नजर रखेंगे। इसी प्रकार हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाली सभी कॉलों का सही रिकॉर्ड रखा जाएगा और उन पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। जहां भी किसी मामले को विदेश मंत्रालय या किसी अन्य विभाग अथवा प्राधिकरण के समक्ष उठाने की आवश्यकता होगी, नोडल अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि उसे प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार खाड़ी क्षेत्र में फंसे पंजाबियों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता एवं सहयोग प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

7 नए मेडिकल कॉलेजों के साथ उन्नत स्वास्थ्य देखभाल ढांचे का साक्षी बनेगा पंजाब

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने राज्य भर में सात नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की घोषणा की। इस प्रोजेक्ट के तहत दो सरकारी मेडिकल कॉलेज, सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के तहत दो कॉलेज तथा निजी और अल्पसंख्यक संगठनों के द्वारा विकसित तीन कॉलेज शामिल हैं। डॉ. बलबीर सिंह ने पंजाब भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि होशियारपुर में शहीद ऊधम सिंह स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का निर्माण कार्य 20 मार्च, 2026 से शुरू हो जाएगा। कुल 24 महीनों की अवधि में विकसित होने जा रहा यह संस्थान मार्च 2028 में पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट को 274.75 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है। इस प्रोजेक्ट के तहत 300 बेड वाले अस्पताल के साथ-साथ एक मेडिकल कॉलेज भी होगा,

जिसमें वार्षिक एमबीबीएस की 100 सीटें होंगी। स्वास्थ्य मंत्री के साथ प्रमुख सचिव स्वास्थ्य कुमार राहुल, विशेष सचिव-कम-एमडी पंजाब हेल्थ सिस्टम कॉर्पोरेशन (पीएचएससी) अमित तलवार और निदेशक अनुसंधान एवं मेडिकल शिक्षा डॉ. अवनीश कुमार भी मौजूद थे।

मंत्री ने कहा कि पिछले अनुमानों की बारीकी से समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत जो पहले 550 करोड़ थी, को 274 करोड़ तक घटाने में सफलता हासिल की, जिससे लगभग 250 करोड़ रुपये के सार्वजनिक धन की बचत हुई है।

गुरदासपुर में परिवार को बंधक बनाकर 7 करोड़ की लूट

गुरदासपुर. गुरदासपुर में जेल रोड स्थित स्कीम नंबर 5 में उस समय दहशत फैल गई जब हथियारबंद अज्ञात निहंग के बाणे में आए पांच बदमाशों ने ज्वेलर वरुण महाजन के घर पर फिल्मी अंदाज में धावा बोल दिया। पिस्टल के दम पर पूरे परिवार को बंधक बनाकर लुटेरे करीब 7 से 8 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी व जेवरात लूटकर फरार हो गए। सबूत मिटाने के लिए बदमाश घर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर तो साथ ले ही गए, साथ ही चिप वाले कैमरे भी तोड़कर अपने साथ ले गए। वारदात की सूचना मिलते ही कई नेता मौके पर पहुंचे जिनमें सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, नगर कौंसिल प्रधान बलजीत सिंह पाहड़ा, भाजपा के पंजाब वर्किंग प्रधान अश्वनी शर्मा, भाजपा के जिला प्रधान बगेल सिंह बाहिया तथा आप के हलका इंचार्ज रमन बहल शामिल रहे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के इलाकों के बचे-खुचे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। इस वारदात से पूरे गुरदासपुर के सर्राफा कारोबारी वर्ग में भारी दहशत का माहौल है।

पंजाब निवेशक सम्मेलन से पहले उद्योग मंत्री द्वारा उद्योगपतियों के साथ विचार-विमर्श

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, बिजली तथा स्थानीय निकाय मंत्री संजीव अरोड़ा ने मुंबई में बड़े औद्योगिक घरानों के साथ लगातार उच्च-स्तरीय बैठकें कीं और पंजाब में निवेश के संभावित अवसरों पर चर्चा की तथा उन्हें 13-15 मार्च 2026 तक मोहाली की प्लाक्षा यूनिवर्सिटी में होने वाले "प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026" में शामिल होने का निमंत्रण दिया। इस यात्रा के दौरान कैबिनेट मंत्री ने टाटा संस के चेयरपर्सन एन. चंद्रशेखरन; सन फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज के चेयरमैन दिलीप शंघवी; टाटा पावर के एमडी एवं सीईओ डॉ. प्रवीर सिन्हा तथा एस्सार ग्रुप के अंशुमन रुइया से मुलाकात की। इन बैठकों में औद्योगिक सहयोग

को मजबूत करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्रीन लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में निवेश के अवसरों की पड़ताल पर ध्यान केंद्रित किया गया। नए उद्योग दिग्गजों ने हाल ही में पंजाब में निवेश के लिए सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं की प्रशंसा की तथा राज्य में भविष्य की साझेदारियों तथा निवेश के अवसरों की पड़ताल करते हुए सम्मेलन में भाग लेने में गहरी रुचि व्यक्त की।

सीवी आनंद बोस ने राज्यपाल पद छोड़ा

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने साढ़े तीन साल तक इस पद पर रहने के बाद गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह कदम राज्य में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से

कुछ ही सप्ताह पहले उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार, बोस दिल्ली में हैं और उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। डॉ. सीवी आनंद बोस भारत के एक सेवानिवृत्त 1977 बैच के आईएएस अधिकारी और राजनेता हैं।

अपडेटेड जीडीपी : डेटा-आधारित युग में निर्णयों को आकार देना

जालंधर ब्रीज. सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की ओर से नए आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित जीडीपी आँकड़े जारी किए गए हैं। इन आंकड़ों से पता चलता है कि

सौरभ गर्ग
(लेखक सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में सचिव हैं)

अर्थव्यवस्था ने संशोधित आधार के बावजूद मजबूत वृद्धि बनाए रखी है, जिसमें 2023-24 से 2025-26 के लिए औसत वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7 प्रतिशत से अधिक और इसी अवधि के लिए औसत नाममात्र जीडीपी वृद्धि 9 प्रतिशत से अधिक रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए दूसरे उन्नत अनुमानों के अनुसार, वास्तविक जीडीपी 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि नाममात्र जीडीपी 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर रहा है। इन आँकड़ों का महत्व तब और भी ज़्यादा साफ़ हो जाता है, जब इन्हें अनेक तरीकों में बदलाव और आधार वर्ष संशोधन के दौरान अपनाए गए नए डेटा स्रोतों की पृष्ठ भूमि में देखा जाता है। अन्यब के अलावा, अपफी संशति या डिफ्लेशन की अधिक परिष्कृत विधियों को अपनाए जाने तथा वार्षिक सर्वेक्षण के निष्कर्षों और व्यापक प्रशासनिक डेटा सेट जैसे समृद्ध डेटा स्रोतों के समावेश- ने अर्थव्यवस्था की बदलती प्रवृत्तियों को और स्पष्ट रूप से समझने में मदद की है। यह बात भारत की जीडीपी पद्धति में बड़े पैमाने पर दिलचस्पीत को देखतेप हुए भी मायने रखती है, जिसने अक्सर अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन पर चर्चा को बढ़ावा दिया है।

संशोधित जीडीपी आँकड़े केवल सांख्यिकीय संख्याएँ नहीं दर्शाते; बल्कि खामोशी से यह भी दर्शाते हैं कि विभिन्न सरकारी पहलें विकसित भारत@2047 के व्यापक विजन को आगे बढ़ाते हुए नीतियों को किस प्रकार ठोस क्षेत्रीय परिणामों में तब्दीखल कर रही हैं। विनिर्माण क्षेत्र ने वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बीच औसतन 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो इस बात का स्पमष्टर उदाहरण है कि डबल डिफ्लेशन के उपयोग और नए डेटा स्रोतों को अपनाने जैसी परिष्कृत पद्धतियों ने किस प्रकार इस क्षेत्र की वास्तविक गति को बेहतर ढंग से समझने में सक्षम बनाया है। यह ऐसी गति है, जिसको सरकार उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना सहित विभिन्न योजनाओं के जरिए सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है।

नई श्रृंखला में मूल्य संवर्धन में कृषि के योगदान में वृद्धि मुख्यतः डीजल के उपयोग में कमी तथान ज्यानदा कीमत वाले फलों एवं सब्जियों के योगदान को शामिल किए जाने के कारण हुई है। ये सकारात्मक संकेत हैं, जो लागत का दबाव कम होने, सरकार के प्रोत्सा हन के कारण किसानों द्वारा सौर ऊर्जा को अपनाए जाने और उच्च मूल्य वर्द्धित कृषि की ओर नीति-प्रेरित बदलाव को दर्शाते हैं। इससे खेती की लाभप्रदता मजबूत होती है और किसानों की आय में सुधार होता है। असंगठित क्षेत्र के उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण (एएसयूएसई) और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) जैसे नए सर्वेक्षण डेटा के उपयोग ने मुख्य रूप से अनौपचारिक क्षेत्र प्रधान सेवा क्षेत्रों, जैसे व्यापार, परिवहन और अन्य सेवाओं में जीडीपी अनुमान को नया रूप दिया है। पहले इन उद्यमों के लिए गणनाएँ सीधे आँकड़ों के बजाय बेंचमार्क आधारित अनुमानों पर निर्भर करती थीं।

उदाहरण के लिए व्यापार, होटलों, परिवहन और संचार उप-क्षेत्र ने 2023-24 से 2025-26 के तीन वर्षों में औसतन 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। आंशिक रूप से यह बेहतर डेटा उपयोग का परिणाम है, क्योंकि एएसयूएसई और पीएलएफएस जैसे सर्वेक्षण मौजूदा रुझानों को उजागर करते हुए अब अनौपचारिक क्षेत्र और श्रमिकों की उत्पादकता को स्पष्ट रूप से देखने में सक्षम बनाते हैं। जीडीपी अनुमान नए डिजिटल डेटा स्रोतों से लाभान्वित हुआ है, जिनमें से अनेक को 'डिजिटल इंडिया' जैसी सरकारी पहल के माध्यम से अधिक सुलभ बनाया गया है। ई-वाहन, एमजीटी-7 कॉर्पोरेट रिटर्न, जीएसटी डेटा और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) जैसे डेटाबेस अब सीधे राष्ट्रीय खातों में योगदान दे रहे हैं। जीएसटी डेटा ने विशेष रूप से त्रैमासिक अनुमानों को और सटीक बनाया है और यह राज्यवार आवंटन में सुधार करेगा । इसका परिणाम अधिक मजबूत और आंतरिक रूप से संगत जीडीपी अनुमान प्रणाली के रूप में सामने आया है। यह संपूर्ण सरकार के दृष्टिकोण को भी दर्शाता है, जिसमें जीडीपी अनुमानों की सटीकता बढ़ाने के लिए प्रशासनिक डेटा का नए तरीकों से उपयोग किया जा रहा है।

केवल जीडीपी के लिए ही नहीं, बल्कि मंत्रालय देशभर में साक्ष्यों के आधार पर निर्णय लेने के लिए प्रशासनिक डेटा के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु वातावरण तैयार करने के व्यापक लक्ष्य को भी आगे बढ़ा रहा है। इसके मुख्य प्रयास राज्यों के साथ करीबी तालमेल सहित डेटा की गुणवत्ता, तुलनीयता और अंतः क्रियाशीलता को सुधारने पर केंद्रित हैं, ताकि राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर डेटा का सुसंगत और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। डेटा-आधारित निर्णय लेने के इस दौर में, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को समझने और लक्षित नीतियों का मार्गदर्शन करने के लिए उप-राष्ट्रीय डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। इसी कारण राज्यों और जिलों के स्तर पर जीडीपी के ठोस अनुमान पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है,जिसके लिए राज्यों को तकनीकी सहायता पहले ही प्रदान की जा चुकी है। एएसयूएसई और पीएलएफएस के तहत ये मजबूत उप-राज्य स्तरीय सर्वेक्षण अनुमान उप-राष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्था का अधिक विस्तृत और व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करते हुए राज्यों/उप-राज्य जीडीपी माप की सटीकता को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे। आधार वर्ष संशोधन ने कई सुधार लाकर और हमारी सांख्यिकीय प्रणाली की नींव को मजबूती प्रदान करते हुए आवश्यक आधार तैयार किया है। इसके बावजूद, यह केवल एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत है, क्योंकि यह प्रणाली नए सांख्यिकीय उत्पादों और प्रशासनिक डेटा सेट्स के सामंजस्य जैसी आगामी पहलों के माध्यम से विकसित हो रही है। ये सभी प्रयास मिलकर नीति निर्माताओं को समय पर, विश्वसनीय और क्रियान्वयन योग्य जानकारी प्रदान कर गतिशील, उत्तरदायी और भविष्योन्मुख सांख्यिकीय प्रणाली के विकास को आगे बढ़ा रहे हैं।

अच्छे संस्कार दिखावे से नहीं, इन रोजमर्रा की आदतों से झलकते हैं : एटीकेट कोच

knowladge अच्छे शिष्टाचार बड़ी बातों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा की छोटी आदतों में दिखाई देते हैं। ये व्यवहार बिना कुछ कहे आपकी सोच, संस्कार और व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ बता देते हैं।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

अच्छे शिष्टाचार किसी खास मौके, महंगे कपड़ों या औपचारिक सेटिंग तक सीमित नहीं होते। वे हमारी रोजमर्रा की जिंदगी के छोटे-छोटे पलों में दिखाई देते हैं- हम कैसे बात करते हैं, कैसे सुनते हैं और दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। अक्सर लोग आपकी बातों से पहले आपके व्यवहार को पढ़ लेते हैं। आप किसी कमरे में कैसे प्रवेश करते हैं, मदद कैसे मांगते हैं या दबाव की स्थिति में खुद को कैसे संभालते हैं- यही चीजें आपकी पर्सनैलिटी की असली तस्वीर पेश करती हैं।

एटीकेट कोच के अनुसार, सच्ची शालीनता सिर्फ दिखावे में नहीं, बल्कि स्वाभाविक आदतों में होती है। ये रोजमर्रा के एटीकेट्स ना केवल दूसरों पर अच्छा प्रभाव डालते हैं, बल्कि आपके चरित्र और संस्कारों को भी मजबूती देते हैं। यहां जानें इन 11 बातों के बारे में -

गैर-मौजूद लोगों के बारे में अच्छा बोलें: जब सामने कोई नहीं होता, तब आपका चरित्र सामने आता है। पीठ पीछे की गई बातें आपकी सोच को दर्शाती हैं।

साझा जगहों का सम्मान करें: किसी जगह को इस्तेमाल करने के बाद उसे साफ छोड़ना एक बुनियादी शिष्टाचार है। यह सामाजिक समझदारी का एक बड़ा संकेत है।

माहौल के अनुसार आवाज रखें: हर जगह एक जैसा बोलना समझदारी नहीं। आपकी आवाज का स्तर आपकी सामाजिक बुद्धिमत्ता दिखाता है।

मदद मांगने से पहले अभिवादन करें: एक छोटा सा 'नमस्ते' या 'हैलो' बातचीत की दिशा बदल देता है और सामने वाले को सम्मान का एहसास कराता है।

सर्विस स्टाफ को ईमानदारी से धन्यवाद दें: यह आदत औपचारिक नहीं, बल्कि पूरी मौजूदगी के साथ होनी चाहिए। मल्टीटास्किंग के बीच कहा गया धन्यवाद असर खो देता है।

दरवाजा थामना स्वाभाविक हो: शिष्टाचार कोई गणना नहीं, बल्कि आदत होनी चाहिए। छोटी-सी विनम्रता बड़ा प्रभाव छोड़ती है।

माफी एक बार, बिना बहाने: साफ-सुथरी माफी जिम्मेदारी दिखाती है। ज्यादा सफाई देने से ईमानदारी कमजोर पड़ जाती है।

दूसरों को जल्दबाजी में ना डालें : आपकी जल्दी किसी और के लिए असहजता नहीं बननी चाहिए।

पहले देखें, फिर प्रतिक्रिया दें : अच्छे व्यवहार की शुरुआत अवलोकन से होती है। इसलिए रिएक्शन देने से पहले परिस्थिति को अच्छी तरह समझ लें।

दिखावे वाली दयालुता से बचें : असली शालीनता शांत होती है, प्रदर्शन नहीं करती।

दबाव में भी संयम बनाए रखें : तनाव में आपका व्यवहार ही आपके चरित्र की असली पहचान होता है।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

LIFESTYLE

जिंदगी में कमाना चाहते हैं बड़ा नाम और सफलता, तो स्टीव जॉब्स की ये बातें गांठ बांध लें

जिंदगी में अपार सफलता और नाम कमाना चाहते हैं, तो एप्पल के मुख्य संस्थापक स्टीव जॉब्स की कुछ आदतों-बातों को गांठ बांध लें। इन बातों को फॉलो कर आप भी सफलता की सीढ़ियां चढ़ सकते हैं।

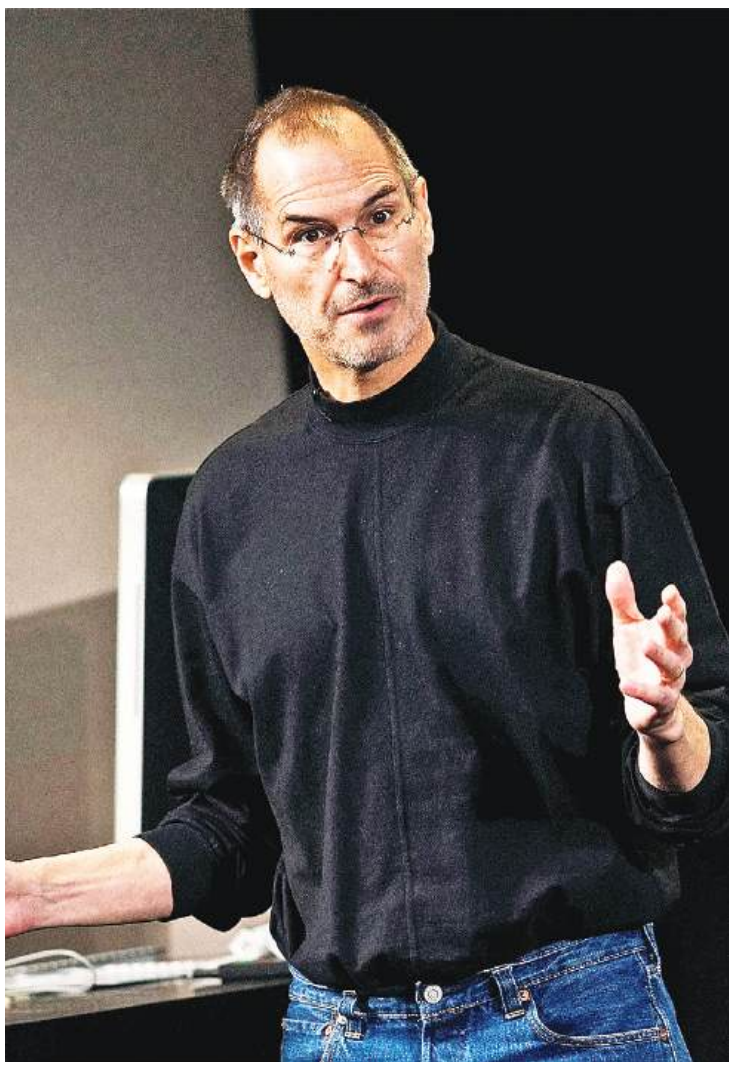

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

एप्पल कंपनी के मुख्य संस्थापक स्टीव पॉल जॉब्स किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। स्टीव ने iPhone, iPad, Mac के जरिए टेक्नोलॉजी की दुनिया को पूरी तरह से बदलकर रख दिया। सिंपल लेकिन क्रिएटिव होने में वह ज्यादा विश्वास रखते थे और काम को दिल से करने वाले लोगों को पसंद करते थे। स्टीव ने फुल फोकस के साथ काम किया और दुनिया एप्पल जैसी टेक्नोलॉजी से मिलवाया जो काफी तेज और बेहतरीन है।

आज हर हाथ में एप्पल के मोबाइल दिखते हैं और इसका श्रेय स्टीव जॉब्स को ही जाता है। वह करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा है और उनकी कुछ आदतों को हर किसी को अपनाना चाहिए। अगर आप दुनिया में अपना नाम कमाना चाहते हैं, तो स्टीव की इन बातों को गांठ बांध लें।

स्टीव जॉब्स की खास आदतें-

1- सिंपल बट क्रिएटिव - स्टीव जॉब्स का कहना था कि सादगी से क्रिएटिविटी बढ़ती है। वह खुद हमेशा काफी सिंपल रहें और उन्हें हमेशा सिर्फ ब्लैक टर्टलनेक टी-शर्ट और जींस में देखा गया। उनका कहना था कि किसी भी चीज पर काम करो, तो तब तक लगे रहो जब तक वो परफेक्ट न हो जाए। हर काम की बारीकी मैटर करती है, फिर चाहे उसके लिए कितना भी इंतजार करना पड़े।

2- फोकस हटना नहीं चाहिए - स्टीव जॉब्स का कहना था कि आप किसी भी काम को फुल फोकस के साथ करते हैं, तभी उसमें पारंगत हो सकते हैं। इसी वजह से आपको सफलता मिलेगी। स्टीव ने एप्पल के कई सारे प्रोडक्ट्स को हटाकर सिर्फ 10 चीजों को लिया था, जिससे वह उन्हें बेहतर ढंग से बना सकें।

3- ना कहना सीख लें - उनका मानना था कि ना कहना भी एक कला है, जो हर व्यक्ति की सीख लेनी चाहिए। वरना आप लोगों की हां में हां मिलाते हुए पीछे खड़े रह जाएंगे। स्टीव का कहना था कि जब आप 1000 चीजों को ना कहेंगे तब जाकर आप खुद की किसी 1 चीज पर फोकस बढ़ा सकेंगे। फोकस करने से ही आपको सफलता मिलेगी।

4- रिस्क लेना जरूरी है - स्टीव जॉब्स को कुछ कारणों से एप्पल कंपनी से बर्खास्त कर दिया गया था। इसके बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी बल्कि NeXT और Pixar जैसे सॉफ्टवेयर बनाकर ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। ये उनके रिस्क लेने की मिसाल है। वह फेल हो सकते थे लेकिन उन्होंने बिना डरे रिस्क लेने का फैसला किया।

5- लक्ष्य तय करो - स्टीव जॉब्स का कहना था छोटे और बड़े अलग-अलग गोल्स सेट करो और उसे पूरा करने के लिए स्ट्रैटजी बनाओ। जब आप गोल्स बनाकर चलते हैं, तो सफलता मिलती है। ऐसे में आप सही डिसीजन मेकर भी बनकर उभरते हो। स्टीव जॉब्स रोजाना एक जैसे कपड़े इसलिए पहनते थे, क्योंकि वह इन कपड़ा चुनने जैसे छोटे फैसलों में अपना वक्त बर्बाद नहीं करना चाहते थे।

लंबे समय तक टिकने वाला खट्टा-मीठा नींबू का अचार बनाने का आसान तरीका

घर के खाने का स्वाद बिना अचार के अधूरा लगता है। अगर आप खट्टे-मीठे स्वाद के शौकीन हैं, तो नींबू का यह देसी अचार कम मेहनत में लंबे समय तक चलने वाला और हर थाली की शान बन सकता है।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

भारतीय खाने में अचार सिर्फ एक साइड डिश नहीं, बल्कि स्वाद, यादों और परंपरा का हिस्सा होता है। दाल-चावल हों, पराठे हों या सादा खिचड़ी- अचार की थोड़ी-सी मात्रा पूरे भोजन का स्वाद बदल देती है। खासतौर पर खट्टा-मीठा नींबू का अचार उन लोगों की पहली पसंद होता है जिन्हें तीखापन कम और संतुलित स्वाद ज्यादा पसंद है। नींबू की नेचुरल खटास, चीनी या गुड़ की हल्की मिठास और देसी मसालों की खुशबू मिलकर ऐसा फ्लेवर बनाती है जो हर उम्र के लोगों को भाता है।

अच्छी बात यह है कि यह अचार बनाना बेहद आसान है, ज्यादा मेहनत नहीं मांगता और सही तरीके से रखा जाए तो महीनों तक खराब नहीं होता। घर पर बना यह अचार ना सिर्फ स्वाद बढ़ाता है, बल्कि पाचन में भी मदद करता है, इसलिए इसे भारतीय रसोई का क्लासिक कहा जाता है।

नींबू के अचार के लिए जरूरी सामग्री

नींबू - 10-12 (अच्छी तरह धोकर पोंछे हुए), नमक - स्वादानुसार, हल्दी - 1 छोटी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर - 1 छोटी चम्मच, सौंफ पाउडर - 2 छोटी चम्मच, मेथी दाना - 1 छोटी चम्मच (भुना और कुटा हुआ), राई पाउडर - 1 छोटी चम्मच, चीनी या गुड़ - 1 कप (स्वाद अनुसार), सरसों का तेल - ½ कप

खट्टा-मीठा नींबू का अचार बनाने की विधि

स्टेप 1 : नींबू को चार या आठ टुकड़ों में काट लें। ध्यान रखें कि नींबू बिल्कुल सूखे हों, ताकि अचार खराब न हो।

स्टेप 2: कटे हुए नींबू में नमक और हल्दी मिलाएं। इन्हें कांच या मिट्टी के जार में भरकर 5-7 दिन धूप में रखें। रोज एक बार साफ चम्मच से हिलाते रहें।

स्टेप 3 : जब नींबू नरम हो जाएं, तब उसमें लाल मिर्च, सौंफ पाउडर, मेथी दाना और राई पाउडर डालें।

स्टेप 4 : अब एक पैन में सरसों का तेल हल्का गर्म करें। आंच बंद करके इसमें चीनी या गुड़ डालें और हल्का पिघलने दें।

स्टेप 5 : इस मिश्रण को नींबू वाले जार में डालें और अच्छे से मिलाएं। अचार को फिर से 2-3 दिन धूप में रखें।

नींबू के अचार के फायदे

- पाचन को बेहतर बनाता है।
- भूख बढ़ाने में मदद करता है।
- नींबू में मौजूद विटामिन C इम्युनिटी सपोर्ट करता है।
- लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

अचार को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के टिप्स

- हमेशा सूखा और साफ चम्मच इस्तेमाल करें।
- जार में नमी ना जाने दें।
- अचार को धूप दिखाना ना भूलें।
- जरूर बनाकर देखें! यह खट्टा-मीठा नींबू का अचार स्वाद, खुशबू और परंपरा का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। एक बार बनाकर रखें और हर खाने के साथ इसका मजा लें।

डॉक्टर ने समझाया क्या दिनभर चीखने-चिल्लाने वाले बच्चे को है हाइपर एक्टिविटी डिसऑर्डर

जालंधर ब्रीज (फीचर) . ADHD यानि कि अटेंशन डिफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर, जिसमे बच्चा किसी एक चीज पर अपना ध्यान नहीं लगा पाता और पूरे टाइम हाइपर एक्टिव रहता है। एक जगह ना बैठना, लगातार हिलते रहना या फिर इधर-उधर भागना, दौड़ना, चीखना, चिल्लाना, इमोशन पर कंट्रोल ना कर पाना इस समस्या के लक्षण होते हैं। काफी सारे पैरेंट्स अपने बच्चों के बिहेवियर को देखकर कंफ्यूज हो जाते हैं कि उनका बच्चा एडीएचडी का शिकार तो नहीं। बच्चा दो से तीन साल का है और बहुत ज्यादा शरारती है तो किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले इस सूरत के इस पीडियाट्रिशन की बात जरूर सुन लें। जिन्होंने बताया कि मात्र 2 सवालों के जवाब की मदद से आप जान सकते हैं कि आपके बच्चे को एडीएचडी की समस्या है या फिर बच्चा केवल अपनी ग्रोथ स्टेज से जुड़ी हरकतों को कर रहा है।

PARENTING

पीडियाट्रिशन ने पूछा पैरेंट्स से 2 सवाल- पीडियाट्रिशन डॉक्टर संतोष ने बताया कि जब भी अपने एक्टिव और चीखने-चिल्लाने वाले बच्चे को लेकर मन में कंफ्यूजन हो कि कहीं ये हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर का शिकार तो नहीं? फौरन इन 2 सवालों को जानने की कोशिश करें।

बच्चा घर में पैरेंट्स के साथ या कंफर्ट जोन में कैसा बिहेव करता है - ज्यादातर पैरेंट्स शिकायत करते हैं कि उनका बच्चा हर वक्त शरारत करता है, उछल-कूद, डांस करना, चीखना-चिल्लाना, ये सब करता है। बच्चा एक जगह कुछ देर शांति से बैठता ही नहीं। ऐसे में काफी सारे पैरेंट्स के मन में सवाल आता है कि क्या उनके बच्चे को हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर की प्रॉब्लम तो नहीं। ऐसे में डॉक्टर का ये सवाल उनकी मदद कर सकता है।

डॉक्टर ने बताया ऐसे समझें बच्चे को एडीएचडी है या नहीं? - बच्चा घर के अलावा स्कूल में या ऐसी जगह जो उसके लिए नई हो, जहां पर बच्चा पहले कभी ना गया हो क्या वहां पर भी वैसी ही हरकतें करता है। अगर जवाब है नहीं तो पैरेंट्स को समझना होगा कि ये हाइपर एक्टिविटी डिसऑर्डर की प्रॉब्लम नहीं है।

ये बच्चे का इमोशनल इंटैलिजेंस है - डॉक्टर ने बताया कि बच्चे जब बाहर जाकर या स्कूल में वेल बिहेव करते हैं, सारे टास्क, होमवर्क पूरे करते हैं और वेल मैनर्ड बने रहते हैं तो ये बच्चे का इमोशनल इंटैलिजैंस है। बच्चे जब डेवलपमेंट स्टेज पर होते हैं तो ये उसका एक फेज होता है। जिसमे बच्चे अपनी लिमिट जानने की कोशिश करते हैं और हर चीज एक्सप्लोर करते हैं। बच्चे को जब घर में सेफ एनवायरमेंट मिलता है तो बच्चे ज्यादा से ज्यादा चीजें एक्सप्लोर करते हैं। कुछ बच्चे एनवायरमेंट और चीजों को एक्सप्लोर करने के बाद ही एक्सप्रेस करते हैं।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

इंसुलिन स्पाइक से बचने के लिए फल खाने का सही तरीका क्या है? न्यूट्रिशनिस्ट से जानें

Health सुबह खाली पेट फल खाना सेहतमंद नहीं, बल्कि इंसुलिन स्पाइक और जल्दी भूख की वजह बन सकता है। न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार, फल खाने का सही तरीका ब्लड शुगर को संतुलित रखता है।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

ज्यादातर लोग दिन की शुरुआत फल खाकर करते हैं। आम धारणा है कि सुबह खाली पेट फल खाना सबसे 'सेफ' और हेल्दी ऑप्शन है। लेकिन न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार, फल सेहतमंद जरूर हैं, पर उन्हें खाने का तरीका और समय अगर गलत हो, तो यही फल शरीर में इंसुलिन स्पाइक, जल्दी भूख और एनर्जी क्रैश की वजह बन सकते हैं।

1. खाली पेट फल क्यों बन सकते हैं समस्या?

जब आप खाली पेट सिर्फ फल खाते हैं, तो उनमें मौजूद नेचुरल शुगर (फ्रक्टोज़ + ग्लूकोज़) बहुत तेजी से ब्लडस्ट्रीम में पहुंचती है।

इससे :

- ब्लड शुगर अचानक बढ़ता है
- शरीर तुरंत ज्यादा इंसुलिन रिलीज करता है
- थोड़ी देर बाद शुगर तेजी से गिरती है
- 30-45 मिनट में फिर से भूख लग जाती है
- यही कारण है कि फल खाने के बाद भी आपको थकान, चिड़चिड़ापन या मीठा खाने की क्रेविंग महसूस हो सकती है।

2. फल को अकेले नहीं, साथ में खाएं

- फल को हमेशा प्रोटीन या हेल्दी फैट के साथ खाने की सलाह दी जाती है।

जैसे :

- फल + मुट्ठीभर नट्स
- फल + उबला अंडा
- फल + ग्रीक योगर्ट / दही
- प्रोटीन और फैट पाचन को धीमा करते हैं, जिससे शुगर धीरे-धीरे ब्लड में जाती है और इंसुलिन स्पाइक नहीं होता।

3. खाने के बाद फल खाना बेहतर क्यों है?

- अगर आप फल को मुख्य भोजन (जैसे दाल-सब्जी, रोटी, चावल) के बाद खाते हैं, तो पेट में पहले से मौजूद फाइबर, फैट और प्रोटीन एक बफर की तरह काम करते हैं। इस स्थिति में वही फल ब्लड शुगर पर बहुत हल्का असर डालते हैं, जो खाली पेट खाने पर ज्यादा नुकसान कर सकते हैं।

4. जूस नहीं, पूरा फल खाएं

- फल का जूस पीना लगभग सॉफ्ट ड्रिंक जैसा असर कर सकता है।

कारण :

- जूस में फाइबर नहीं होता
- शुगर तेजी से अब्जॉर्ब होती है
- इंसुलिन स्पाइक का रिस्क बढ़ता है
- पूरा फल चबाकर खाने से फाइबर बना रहता है, जो शुगर को कंट्रोल में रखता है।

5. Glycemic Index नहीं, Glycemic Load देखें

- बहुत से लोग सिर्फ GI देखकर फल को 'खराब' या 'अच्छा' मान लेते हैं। लेकिन असल मायने Glycemic Load के होते हैं, जो पोर्शन साइज को भी ध्यान में रखता है। उदाहरण के लिए, तरबूज का GI ज्यादा है, लेकिन उसकी एक सर्विंग में कुल शुगर कम होती है, इसलिए वह उतना नुकसानदेह नहीं जितना समझा जाता है।

6. फल खाने के बाद थोड़ा चलना फायदेमंद

- फल खाने के बाद 10 मिनट हल्की वॉक करने से :
- ब्लड शुगर मसल्स में इस्तेमाल होती है
- फैट स्टोरेज कम होता है
- एनर्जी लेवल बेहतर रहता है

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

आयकर विभाग, पंचकुला द्वारा "मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

आयकर विभाग, पंचकुला द्वारा मुख्य आयकर आयुक्त, पंचकुला के संरक्षण में बीते दिन त्रिशहर (ट्राइसिटी) क्षेत्र में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु "मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, सेक्टर-26, चंडीगढ़ में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक कुमार सरोहा, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, उत्तर पश्चिम क्षेत्र, रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष महत्व प्रदान किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ताओं के रूप में विवेक लाल, निदेशक, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ तथा सुप्रसिद्ध प्रेरक वक्ता गिरीश आनंद उपस्थित रहे।

डॉ. लाल ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए करुणा, कृतज्ञता एवं समाज को वापस देने की भावना को तनाव प्रबंधन के प्रभावी उपाय बताया। उन्होंने योग को "स्वयं से सत्य संवाद" की प्रक्रिया बताते हुए आत्म-जागरूकता को भावनात्मक संतुलन बनाए रखने का आधार माना। आनंद ने अपने प्रेरक संबोधन में तनाव के प्रमुख कारणों पर चर्चा की तथा एसीटीएस मॉडल—Accept Reality, Clarify Priorities, Time Blocking एवं Seeking Support—को तनाव समाधान एवं कार्यक्षमता वृद्धि हेतु व्यावहारिक रणनीतियों के रूप में प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर विदिशा कालरा, मुख्य आयकर आयुक्त, पंचकुला; वत्साला झा, महानिदेशक आयकर (अन्वेषण), उत्तर पश्चिम क्षेत्र; तथा कोमल जोगपाल, मुख्य आयकर आयुक्त (ओएसडी) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन पूनम राय द्वारा किया गया।

त्रिशहर क्षेत्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा सत्रों से महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त किया। संगोष्ठी के प्रमुख निष्कर्षों में कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखना, तनाव के प्रारंभिक संकेतों की पहचान करना, मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना तथा कृतज्ञता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को अपनाना शामिल रहा।

मध्य पूर्व में बदलती स्थिति के बीच भारत पूरी तरह तैयार - ऊर्जा आपूर्ति मजबूत

कच्चे तेल और पेट्रोलियम की विविधीकृत खरीद; 24×7 नियंत्रण कक्ष द्वारा आपूर्ति स्थिति की निगरानी

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

मध्य पूर्व में उथल-पुथल की स्थिति और वैश्विक ऊर्जा स्थिति में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मौजूदा परिस्थितियों में देश की तैयारियों के बारे में मीडिया को अवगत कराया।

जानकारी के अनुसार-भारत वैश्विक स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों का तीसरा सबसे बड़ा आयातक, चौथा सबसे बड़ा शोधक और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक है। देश में कच्चे तेल और पेट्रोल, डीजल और एटीएफ सहित प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार है, जिससे मध्य पूर्व से उत्पन्न होने वाली अल्पकालिक समस्याओं का निदान किया जा सके।

यह भी बताया गया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाकर अपनी आबादी के लिए ऊर्जा की उपलब्धता और सामर्थ्य सुनिश्चित की है। भारतीय ऊर्जा कंपनियों के पास अब ऐसे ऊर्जा स्रोतों तक पहुंच है जो होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर नहीं गुजरते। ऐसे कार्गो उपलब्ध रहेंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के दौरान आपूर्ति में अस्थायी रूप से होने वाली रुकावटों को दूर करने में मदद करेंगे।

देश भर में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति और स्टॉक की स्थिति पर लगातार नज़र रखने के लिए मंत्रालय ने 24×7 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। वर्तमान में, सरकार के पास पर्याप्त स्टॉक है। भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लगातार निगरानी के आधार पर, सरकार को उम्मीद है कि यदि आवश्यक हुआ तो स्थिति को और सुधारने के लिए चरणबद्ध तरीके अपनाए जा सकते हैं।

एक नयी शहरी रुपरेखा : शहरी चुनौती कोष भारत के शहरों को किस तरह दे सकता है नया रूप

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत के शहरीकरण का सफर निर्णायक मोड़ पर है। आज देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शहरों का बड़ा योगदान है, ये देश के सबसे गतिशील आर्थिक केंद्रों का केंद्र हैं और लाखों लोगों के जीवन स्तर को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। फिर भी, ये शहर बुनियादी ढांचे की कमी, जलवायु परिवर्तन के खतरे, वित्तीय बाधाओं और संस्थागत बिखराव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अब चुनौती यह नहीं है कि भारत का शहरीकरण होगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत का शहरीकरण प्रभावी, टिकाऊ और समावेशी तरीके से हो पाएगा।

श्रीनिवास कटिकिथला
(लेखक आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव हैं)

हाल ही में स्वीकृत शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) इस प्रश्न के उत्तर देने के भारत के नज़रिए में एक अहम बदलाव का प्रतीक है। वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक 1 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता राशि और करीब 4 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश को प्रेरित करने की अपेक्षित योजना के साथ, यह कोष पारंपरिक अनुदान-आधारित वित्तपोषण से हटकर, शहरी ढांचागत विकास के लिए बाजार-आधारित, सुधार-संचालित और परिणाम पर आधारित ढांचे की ओर बदलाव का प्रतीक है।

अनुदान से बाजार अनुशासन की ओर : शहरी चुनौती कोष की संरचना उसे पूर्व के कार्यक्रमों से अलग करती है। केंद्रीय सहायता परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक सीमित है और शहरों को कम से कम 50 प्रतिशत राशि नगरपालिका बांड, बैंक ऋण या सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे बाजार स्रोतों से जुटानी होगी। बाकी राशि राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों या अन्य वित्तपोषण माध्यमों से आ सकती है।

यह आवश्यकता कार्यक्रम के मूल में वित्तीय अनुशासन को स्थापित करती है। यह संकेत देती है कि शहरी अवसंरचना अब केवल सार्वजनिक बजट पर निर्भर नहीं रह सकती, इसे राजस्व समर्थित परियोजनाओं के ज़रिए पूंजी बाजारों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनानी होगी। ऐसा करके, यह कोष ढ़ांचागत महत्वाकांक्षाओं के साथ राजकोषीय संयम का तालमेल बिठाने की कोशिश करता है।

शहरी केंद्र की पुनर्कल्पना : यह कोष तीन विशिष्ट क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के शहरी परिदृश्य की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं।

पहला क्षेत्र है विकास केंद्र के रूप में शहरों को देखना। इसके तहत यह माना जाता है कि शहरी क्षेत्र आर्थिक इंजन हैं। यह एकीकृत स्थानिक और पारगमन योजना, आर्थिक गलियारों के साथ अवसंरचना और औद्योगिक, पर्यटन या लॉजिस्टिक्स क्लस्टर जैसे मजबूत आर्थिक आधारों के विकास का समर्थन करता है। इसका मकसद केवल परिसंपत्तियों का निर्माण करना नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादकता को भी बढ़ाना है।

दूसरा क्षेत्र, शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास, भारतीय शहरीकरण की एक लंबे समय से चली आ रही चुनौती, ऐतिहासिक केंद्रों और केंद्रीय व्यावसायिक जिलों में भीड़भाड़ और गिरावट - का समाधान करता है। ब्राउनफील्ड पुनर्जनन, पारगमन आधारित विकास और सार्वजनिक भूमि के पुनर्गठन को प्रोत्साहित करके, यह कोष मौजूदा शहरी क्षेत्रों के भीतर मूल्यों को उजागर करने का प्रयास करता है। यह भूमि मूल्य अधिग्रहण और संरचित पुनर्विकास मॉडल के तर्क को पेश करता है, जिससे शहर सांस्कृतिक और विरासत चरित्र को संरक्षित करते हुए कम उपयोग वाली संपत्तियों को नवीनीकरण के चालक में बदला जा सकता है।

तीसरा क्षेत्र जल और स्वच्छता पर केंद्रित है, जहां सेवा संतृप्ति, अपशिष्ट जल पुन: उपयोग, बाढ़ शमन और विरासत अपशिष्ट स्थलों के उपचार पर जोर दिया जाता है। इस ढांचे में जलवायु में बदलाव समाहित है, यह मानते हुए कि चरम मौसम की घटनाएं और पर्यावरणीय तनाव शहरी भेद्यता को नया रूप दे रहे हैं।

छोटे शहरों को वित्तीय मुख्यधारा में लाना : शहरी चुनौती कोष के सबसे नवोन्मेषी तत्वों में से एक 5,000 करोड़ रुपए की ऋण चुकौती गारंटी योजना है।

भारत-कनाडा राजनेताओं का संयुक्त वक्तव्य

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भारत की आधिकारिक यात्रा की। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा थी और 2018 के बाद किसी कनाडाई प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा रही। उनके साथ वरिष्ठ मंत्रियों, प्रांतीय नेताओं और प्रमुख उद्योगपतियों का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया, जिसने इस यात्रा को विशेष महत्व दिया।

कूटनीतिक संबंधों की स्थापना की 79वीं वर्षगांठ के अवसर पर दोनों देशों ने भारत-कनाडा संबंधों की मजबूती और प्रासंगिकता की पुनर्पुष्टि की। साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, जन-से-जन संबंधों, संप्रभुता और कानून के शासन के सम्मान को इस साझेदारी का आधार बताया गया। बदलते वैश्विक परिदृश्य में दोनों नेताओं ने मजबूत और भविष्योन्मुख सहयोग को पारस्परिक समृद्धि और वैश्विक प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक माना। उन्होंने नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, आर्थिक स्थिरता, सतत विकास, जलवायु परिवर्तन और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

'वसुधैव कुटुम्बकम'—'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'—को नई रणनीतिक साझेदारी की मार्गदर्शक अवधारणा के रूप में स्वीकार किया गया। विकसित भारत की परिकल्पना और कनाडा के 'बिल्ड कनाडा स्ट्रॉंग' एजेंडा के बीच सामंजस्य पर जोर देते हुए नवाचार, ऊर्जा परिवर्तन, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, डिजिटल ढांचे और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत बनाने में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

जी7 और जी20 बैठकों के बाद तय रोडमैप के क्रियान्वयन में हुई प्रगति का स्वागत किया गया। मंत्री-स्तरीय संवाद की बढ़ती आवृत्ति, संस्थागत तंत्रों की सक्रियता और राजनयिक प्रतिनिधियों की वापसी को सकारात्मक कदम बताया गया। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर वार्ता दोबारा शुरू होने और निवेश प्रतिबद्धताओं को आर्थिक संबंधों की मजबूती का संकेत माना गया।

रणनीतिक ऊर्जा साझेदारी के तहत ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति विविधीकरण और स्वच्छ ऊर्जा सहयोग को प्राथमिकता दी गई। नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव-ईंधन, बैटरी भंडारण और विद्युत प्रणाली आधुनिकीकरण में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। एलएनजी, कच्चे तेल, पोटाश और यूरेनियम आपूर्ति सहित ऊर्जा व्यापार को सुदृढ़ करने और दीर्घकालिक निवेश को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई गई। महत्वपूर्ण खनिजों में सुरक्षित और विविधीकृत आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित करने पर भी बल दिया गया।

कृषि और पोषण सुरक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान, कृषि-प्रौद्योगिकी और मूल्य-वर्धित खाद्य उत्पादन में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया गया। शिक्षा और कौशल विकास को संबंधों का प्रमुख स्तंभ बताते हुए उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच साझेदारी, संयुक्त शोध और उद्योग-संरेखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने पर सहमति बनी। सांस्कृतिक, जन-संपर्क और विज्ञान-प्रौद्योगिकी सहयोग को भी विस्तार देने की बात कही गई। उभरती प्रौद्योगिकियों, डिजिटल इकोसिस्टम और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। सुरक्षा और रक्षा सहयोग के तहत आतंकवाद-रोधी प्रयासों, साइबर सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा में समन्वय मजबूत करने पर जोर दिया गया।

दोनों देशों ने व्यापार और निवेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया। अंत में, प्रधानमंत्री कार्नी ने भारत सरकार और जनता के आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने विश्वास जताया कि यह नवीनीकृत रणनीतिक साझेदारी क्षेत्रीय स्थिरता, वैश्विक सुदृढ़ता और साझा समृद्धि को बढ़ावा देगी तथा एक समावेशी और स्थायी भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

निष्कर्ष

प्रधानमंत्री कार्नी ने भारत सरकार और जनता के आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने विश्वास जताया कि यह नवीनीकृत रणनीतिक साझेदारी क्षेत्रीय स्थिरता, वैश्विक सुदृढ़ता और साझा समृद्धि में सकारात्मक योगदान देगी तथा अधिक समावेशी, स्थायी और सुरक्षित भविष्य के निर्माण में सहायक होगी।

आधार कार्ड में बायोमेट्रिक अपडेट को अनिवार्य बनाने के लिए यूआईडीएआई के विशेष अभियान के अंतर्गत 100,000 से अधिक स्कूली बच्चों को प्रशिक्षित किया गया जिससे लाखों बच्चों को इससे लाभ मिला

• ***जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली*

एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने पूरे देश में 103,000 से अधिक स्कूलों को अपनी सेवाएं दी और लाखों स्कूली छात्रों को अपने स्कूल परिसरों में सरलता से और सुविधापूर्वक आधार में अपना अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पूरा करने में मदद की।

इस विशाल अभियान ने अब तक लगभग 1.2 करोड़ (12 मिलियन) स्कूली बच्चों को अपने स्कूलों में ही अपना एमबीयू पूरा करने में सहयोग दिया। यूआईडीएआई ने यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस (यूडीआईएसई+) एप्लिकेशन के साथ सफल तकनीकी एकीकरण के बाद सितंबर 2025 में स्कूली बच्चों के लिए मिशन मोड एमबीयू अभियान की शुरुआत की।

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के यूडीआईएसई+ के साथ एकीकरण से स्कूलों में बच्चों के एमबीयू की स्थिति की जानकारी मिली। इससे उन बच्चों की पहचान करने में मदद मिली जिनका एमबीयू होना बाकी था और स्कूलों में शिविर आयोजित करके एमबीयू पूरा करने में मदद मिली।

देश भर में यूआईडीएआई के क्षेत्रीय कार्यालय और राज्य कार्यालय, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षा विभागों, जिला प्रशासन, स्कूलों और यूआईडीएआई के इकोसिस्टम भागीदारों सहित सभी हितधारकों के साथ बाल हितैषी गतिविधियों के समन्वय के लिए काम कर रहे हैं।

चल रहे अभ्यास को क्रियान्वित करने के लिए कम से कम 4000 मशीनें उपयोग में हैं, और यूआईडीएआई गति को तेज करने के लिए इस संख्या को और बढ़ाने की प्रक्रिया में है।

बच्चों के आधार कार्ड में बायोमेट्रिक जानकारी को अपडेट रखने से उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं, छात्रवृत्तियों आदि के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने और नीट, जेईई, सीयूईटी जैसी प्रतियोगी और विश्वविद्यालय परीक्षाओं में पंजीकरण के लिए प्रमाणीकरण में सहायता मिलती है। यूआईडीएआई माता-पिता और अभिभावकों को अपने बच्चों के आधार कार्ड में बायोमेट्रिक जानकारी को अपडेट करने के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। मिशन मोड में एमबीयू अभियान छह महीने से चल रहा है और यूआईडीएआई ने 1 अक्टूबर, 2025 से शुरू होने वाली एक वर्ष की अवधि के लिए 7-15 आयु वर्ग के बच्चों के लिए आधार में एमबीयू को निःशुल्क कर दिया है।

स्कूलों में आयोजित शिविरों के अलावा, बच्चे भारत भर में स्थित किसी भी आधार नामांकन केंद्र और आधार सेवा केंद्र पर जाकर भी अपना एमबीयू पूरा कर सकते हैं।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता: वस्त्र उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक व्यापारिक उपलब्धि

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत ने वैश्विक मंच पर ऐसा कदम रखा है, जिसे दुनिया अनदेखा नहीं कर सकी। 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) औपचारिक रूप से पूरा हुआ। यह एक ऐतिहासिक पल था, जिस पर दशकों से काम हो रहा था। यह समझौता दूरदृष्टि, दृढ़ संकल्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत आर्थिक नेतृत्व का परिणाम है।

भारत और यूरोपीय संघ मिलकर दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और दोनों मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। जब इन दोनों बड़े आर्थिक भागीदारों ने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया, तो यह केवल एक और व्यापार समझौता नहीं रहा, बल्कि अपने आकार और रणनीतिक महत्व के कारण यह एक बेहद बड़ा और ऐतिहासिक समझौता बन गया।

भारत-ईयू एफटीए तक की यह यात्रा शासन के तरीके में साफ अंतर दिखाती है। वर्ष 2014 से पहले भारत को केवल 19 देशों में व्यापार की पहुंच थी, जबकि आज यह संख्या 56 देशों तक पहुंच गई है। केवल भारत-ईयू एफटीए से ही 27 बड़े और महत्वपूर्ण बाजारों तक पहुंच खुली है। यह स्पष्ट, परिणाम आधारित और मजबूत शासन का प्रतीक है।

आज वैश्विक वस्त्र और परिधान बाजार का आकार 1.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है। यह दुनिया भर में बढ़ती मांग और तेज़ बदलाव को दिखाता है। दुनिया का कुल आयात वर्ष 2001 में 366.8 अरब डॉलर था, जो बढ़कर 2024 में लगभग 800 अरब डॉलर हो गया है। इससे साफ है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है।

इसी वैश्विक माहौल में भारत ने भी अपनी स्थिति लगातार मज़बूत की है। भारत का कुल टेक्सटाइल निर्यात लगभग 10 अरब डॉलर से बढ़कर करीब 40 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इससे वैश्विक व्यापार में भारत की भागीदारी काफ़ी मजबूत हुई है।

गिरिराज सिंह
(केंद्रीय वस्त्र मंत्री)

देश के भीतर भी टेक्सटाइल क्षेत्र में तेज़ बढ़त देखी जा रही है। भारत का घरेलू टेक्सटाइल बाजार 138 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 में लगभग 190 अरब डॉलर हो गया है। इसका मुख्य कारण उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग और लोगों की बढ़ती खरीद क्षमता है। यह वृद्धि कई नीतिगत सुधारों और सरकारी पहलों से संभव हुई है, जिनसे उत्पादन व्यवस्था को आधुनिक बनाया गया, सप्लाई और वैल्यू चेन को मज़बूत किया गया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा की क्षमता बढ़ी।

इसी पृष्ठभूमि में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते का महत्व बहुत ऐतिहासिक बन जाता है। यह समझौता यूरोपीय यूनियन के पूरे बाजार तक भारत की पहुंच खोलता है, जहां लगभग 2 अरब उपभोक्ता हैं और कुल बाजार का आकार करीब 24 ट्रिलियन डॉलर है।

इस समझौते के तहत मूल्य के हिसाब से भारत के 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात को विशेष (प्राथमिक) व्यापार सुविधा मिलेगी। साथ ही लगभग 33 अरब डॉलर के सामान पर लगने वाले 10 से 12 प्रतिशत तक के शुल्क (टैरिफ) खत्म हो जाएंगे। इससे दुनिया के सबसे प्रीमियम बाजारों में भारत के उत्पाद और अधिक सस्ते व प्रतिस्पर्धी बनेंगे।

पिछले दो वर्षों में हमने जीडीपी, मांग के रुझान, जनसंख्या और प्रति व्यक्ति आय जैसे आँकड़ों के आधार पर एक नई बाजार विविधीकरण (मार्केट डाइवर्सिफिकेशन) रणनीति तैयार की और उसे आगे बढ़ाया।

अब इस रणनीति के साफ़ नतीजे दिखने लगे हैं। वर्ष 2025 में, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारत के टेक्सटाइल निर्यात ने 100 से अधिक देशों में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। इससे दुनिया में भारत की मौजूदगी और मजबूत हुई है।

इस लक्षित रणनीति के तहत निर्यात में तेज़ बढ़ोतरी हुई है। अर्जेंटीना में 77 प्रतिशत, पराग्वे में 45 प्रतिशत और इजिप्ट में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से रेडीमेड कपड़ों के कारण हुई है। इसके पीछे पिछले दस वर्षों में मैन्युफैक्चरिंग क्षमता का लगातार विस्तार रहा है।

बीते दस सालों में भारत के उत्पादन तंत्र में 2 करोड़ से अधिक सिलाई मशीनें जोड़ी गई हैं। इससे उत्पादन बढ़ा है, काम की उत्पादकता बेहतर हुई है और रोज़गार के नए अवसर बने हैं। इस विस्तार को मजबूत नीतिगत समर्थन भी मिल रहा है। केंद्रीय बजट 2026-27 में टेक्सटाइल क्षेत्र को भारत की विकास रणनीति के केंद्र में रखा गया है। इसके तहत मेगा टेक्सटाइल पार्क, एकीकृत वैल्यू चेन, टिकाऊ उत्पादन से जुड़ी पहल और 'समर्थ 2.0' के तहत कौशल विकास पर ज़ोर दिया गया है।

इसके साथ ही, प्रमुख टेक्सटाइल क्लस्टरों में टेक्सटाइल निर्यात सुविधा केंद्र बनाए जाएंगे। ये केंद्र एक ही मंच पर निर्यातकों को बाजार से जुड़ी जानकारी, एफटीए से संबंधित मार्गदर्शन, नियमों में सहायता और शुरुआत से अंत तक पूरी सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात के लक्ष्य के साथ, भारत की टेक्सटाइल रणनीति बड़े पैमाने, तेज़ रफ्तार और वैश्विक सोच को दिखाती है।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता इस गति को और मजबूत करता है। यह केवल एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक साझेदारी है, जिसके तहत भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच कुल व्यापार और सहयोग को 2030 तक 179 अरब डॉलर से बढ़ाकर 350 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। आज भारत सिर्फ वैश्विक व्यापार का हिस्सा नहीं है, बल्कि उसे दिशा देने वाला देश बन रहा है।

स्पैशल डीजीपी गुरप्रीत कौर दयो ने जालंधर कमिश्नरेट पुलिस लाइन में अधिकारियों के साथ की विशेष बैठक

इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर और साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन का दौरा किया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

स्पैशल डीजीपी कम्युनिटी अफेयर्स डिवीज़न (सीएडी) और महिला कार्य, पंजाब गुरप्रीत कौर दयो ने जालंधर कमिश्नरेट के तहत पुलिस लाइन में अधिकारियों के साथ मीटिंग की। मीटिंग में जालंधर पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर के साथ ज्वाईंट पुलिस कमिश्नर संदीप शर्मा, डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस मनप्रीत सिंह ढिल्लों और दूसरे जीओ अधिकारी और मुख्य अधिकारी शामिल हुए।

स्पैशल डीजीपी ने अपने दौरे दौरान पंजाब सरकार द्वारा ज़िला स्तर पर चलाए जा रहे विशेष अभियान 'युद्ध नशे विरूद्ध' और 'गैंगस्टरा ते वार' में आगे की कार्रवाई के लिए खास निर्देश जारी किए। उन्होंने कमिश्नरेट पुलिस जालंधर से एक स्पैशल ऑपरेशन प्लान जारी करने को कहा जिससे छोटे क्राइम पर लगाम लगाई जा सके। उन्होंने पुलिस नाकों को हाई-टेक बनाने और नाके पर तैनात कर्मचारियों से बातचीत करने के लिए वॉकी-टॉकी सेट का इस्तेमाल करने को प्राथमिकता दी। उन्होंने लोगों की शिकायतों को असरदार ढंग से दूर करने, सही डॉक्यूमेंटेशन बनाए रखने और स्टेशन कम्प्लैक्स को साफ और हरा-भरा रखने के साफ निर्देश दिए। स्पैशल डीजीपी ने अधिकारियों की ड्यूटी के दौरान आने वाली परेशानियों और चुनौतियों को भी सुना। अधिकारियों द्वारा उठाए गए मुख्य मुद्दों पर चर्चा की गई, और जहां भी मुमकिन हो सका, तुरंत समाधान किए गए। मुख्य मांगों में से एक उनकी एफिशिएंसी और वर्कफ्लो को बढ़ाने के लिए कंप्यूटर पेरिफेरल्स का प्रबंध था। इस ज़रूरत की महत्ता को समझते हुए, स्पैशल डीजीपी ने यह सुनिश्चित करने के उनके अनुरोध को मंज़ूरी दे दी।

स्पैशल डीजीपी ने इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) और साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन का दौरा किया। आईसीसीसी कंट्रोल सेंटर के कामकाज का रिव्यू किया गया और तैनात कर्मचारियों को काम को और आसानी से चलाने के निर्देश दिए। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में आए ऑनलाइन फ्रॉड के शिकार हुए आवेदकों के एप्लीकेशन पढ़कर सुनाए गए और उनपर तुरंत कार्रवाई की गई। इस मौके पर अधिकारियों को अपने-अपने इलाकों में कानून का पालन सुनिश्चित करने और लोगों की परेशानियों को तुरंत हल करने के लिए गाइडलाइन भी दी गई।

युद्ध के बीच दुबई से लौटे लोगों ने पंजाब सरकार का जताया आभार

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच दुबई से लौटे लोगों ने पंजाब सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने संकट के समय संपर्क कर उन्हें परिवार के सदस्यों जैसा महसूस कराया। पंजाब सरकार की ओर से शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एस.ए.एस. नगर (मोहाली) में पश्चिम एशिया से लौटने वाले लोगों की सहायता के लिए एक विशेष हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया है। चेयरमैन पंजाब जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड डॉ. सनी सिंह अहलूवालिया और राज्य की एन आर आई मामलों की विशेष सचिव अमनदीप कौर ने बठिंडा की प्रिंसिपल नीरू गर्ग, उनके परिवार तथा अन्य लौटे यात्रियों का स्वागत किया। दुबई और अन्य मध्य-पूर्व/पश्चिम एशियाई देशों में फंसे लोगों की सहायता के लिए पंजाब सरकार के एनआरआई विंग ने 24×7 कंट्रोल रूम स्थापित किया है। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-2260042, 0172-2260043 तथा व्हाट्सऐप हेल्पलाइन नंबर +91 94787 79112 जारी किए गए हैं।

जिला प्रशासकीय परिसर जालंधर में विभिन्न ठेकों की नीलामी 11 मार्च को

जालंधर (जालंधर ब्रीज). जिला प्रशासकीय परिसर जालंधर में बनी 7 कैंटीन (डी.ए.सी.), साइकिल स्टैंड, एक कैंटीन टाइप-1 सेवा केंद्र (डी.ए.सी.) तथा पोलरॉइड/डिजिटल कैमरों से फोटो खींचने के ठेकों की नीलामी 11 मार्च 2026 को सुबह 11 बजे सहायक आयुक्त (जनरल) जलंधर की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में होगी। इस संबंध में कार्यालय के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक बोलीदाता को बोली में शामिल होने के लिए अपनी आवेदन पत्र और सुरक्षा राशि का बैंक ड्राफ्ट, जो डी.सी.-कम-चेयरमैन ओ एंड एम सोसाइटी जालंधर के पक्ष में हो, डिप्टी कमिश्नर जालंधर के दफ्तर (नजरत शाखा), कमरा नंबर 123, पहली मंजिल, डी.ए.सी. में बोली की तिथि से एक दिन पहले जमा करवाना होगा। जो बाद में सफल बोलीदाता द्वारा ठेके की आधी राशि जमा करवाने के बाद बाकी सभी को वापिस कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पोलरॉइड/डिजिटल फोटोग्राफी के ठेके की आरक्षित बोली 27,60,000 रुपये और सुरक्षा राशि 1,00,000 रुपये रखी गई है। इसी प्रकार कैंटीन (डी.ए.सी.) के ठेके की आरक्षित बोली 16,67,200 रुपये और सुरक्षा राशि 1,00,000 रुपये, साइकिल स्टैंड के ठेके की आरक्षित बोली 33,85,091 रुपये और सुरक्षा राशि 2,00,000 रुपये है। इसके अलावा कैंटीन (डी.ए.सी. में टाइप-1 सेवा केंद्र) के ठेके की आरक्षित बोली 2,40,000 रुपये और सुरक्षा राशि 50,000 रुपये है। उन्होंने बताया कि बोली की आवेदन देने वाले को उक्त बोली में उपस्थित होकर बोली देना अनिवार्य होगा, बोली न देने की स्थिति में सुरक्षा राशि जब्त कर ली जाएगी। कैंटीन खोलने का समय सुबह 9 से शाम 6 बजे तक का होगा और यदि अधिकारियों द्वारा कोई अचानक बैठक शनिवार या रविवार तथा किसी सरकारी छुट्टी वाले दिन रखी जाती है तो कैंटीन खोलने के लिए बाध्य रहेगा। सफल बोलीदाता को ठेके की कुल राशि का ½ हिस्सा बोली वाले दिन से 2 दिनों के अंदर जमा करवाना होगा और बाकी बची ½ राशि 6 मासिक किश्तों में जमा करवानी होगी। सफल बोलीदाता अपनी सुविधा अनुसार एकमुश्त राशि एडवांस के रूप में जमा करवा सकता है। ठेके की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक होगी और 31 मार्च 2027 शाम 5 बजे के बाद ठेकेदार को अपना सामान डी.ए.सी. में रखने का कोई अधिकार नहीं होगा। बाकी शर्तें मौके पर ही पढ़कर सुनाई जाएंगी, जो संबंधित बोलीदाता को माननी पड़ेंगी। शर्तों में वृद्धि/संशोधन का अधिकार चेयरमैन के पास होगा।

एचपीवी टीकाकरण से बेटियों का स्वस्थ और कैंसर-मुक्त भविष्य सुनिश्चित : सिविल सर्जन डॉ. राजेश गर्ग

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जालंधर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 14 वर्ष की लड़कियों के लिए ह्यूमन पैपिलोमावायरस यानी एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है, जो सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। डॉ. गर्ग ने गुरुवार को सिविल अस्पताल जालंधर के एमसीएच सेंटर में चल रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राकेश चोपड़ा और जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. रमन गुप्ता भी मौजूद रहे।

सिविल सर्जन डॉ. राजेश गर्ग ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर ह्यूमन पैपिलोमावायरस यानी एचपीवी के लगातार संक्रमण के कारण होता है। यह ऐसा कैंसर है जिसे समय पर टीकाकरण के माध्यम से प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस 90 दिनों के विशेष अभियान के दौरान 14 वर्ष की लड़कियां टीकाकरण के लिए पात्र होंगी। इसके अलावा अभियान शुरू होने के 90 दिनों के भीतर 15 वर्ष की होने वाली लड़कियां भी इस तीन महीने

की विशेष मुहिम के तहत टीका लगवा सकेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि टीकाकरण से पहले लड़कियों को खाली पेट नहीं होना चाहिए। डॉ. राजेश गर्ग ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य लड़कियों को एचपीवी संक्रमण के संभावित जोखिम से पहले ही सुरक्षित करना है, ताकि सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम की जा सके। एचपीवी टीकाकरण एक प्रभावी और सुरक्षित उपाय है, जो लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान करता है और सर्वाइकल कैंसर के अधिकांश मामलों के लिए जिम्मेदार एचपीवी स्ट्रेन से बचाव करता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अभियान की अवधि के दौरान अपने क्षेत्र की एएनएम और आशा वर्करों से संपर्क कर अपनी 14 वर्ष की बेटियों का एचपीवी टीकाकरण अवश्य करवाएं।

होशियारपुर के 14 परीक्षा केंद्रों में होगी सीबीएसई की दसवीं व बारहवीं की अनुपूरक परीक्षा

होशियारपुर (जालंधर ब्रीज). जिला मजिस्ट्रेट आशिका जैन ने बताया कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं और 12वीं की अनुपूरक परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से 11 अप्रैल 2026 तक जिला होशियारपुर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जा रही हैं। यह परीक्षाएं प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक होंगी। उन्होंने बताया कि जिले में इन परीक्षाओं के लिए आर्मी पब्लिक स्कूल ऊंची बस्सी (दसूहा), दशमेश पब्लिक स्कूल चक्क अल्ला बख्श (मुकेरियां), श्री गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूल पंडोरी खजूर (होशियारपुर), दोआबा पब्लिक स्कूल दोहलरों (माहिलपुर), सिल्वर ओक इंटरनेशनल स्कूल शाहबाजपुर (टांडा मियानी रोड), कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल हाजीपुर रोड (दसूहा), वशिष्ठ भारती इंटरनेशनल स्कूल दातारपुर (मुकेरियां), ग्लोबल पब्लिक स्कूल रंगा (मुकेरियां), जेम्स कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल पुरहीरां (होशियारपुर), एसबीएस मॉडल हाई स्कूल सदरपुर (गढ़शंकर), पर्ल्स इंटरनेशनल स्कूल बल्लोवाल (हाजीपुर-मुकेरियां), दिल्ली इंटरनेशनल स्कूल चंडीगढ़ रोड (चब्बेवाल), एस.डी. सिटी पब्लिक स्कूल आदमवाल तथा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय गज्ज ब्लॉक भुंगा को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि परीक्षा केंद्रों के आसपास 100 मीटर के दायरे में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए गए हैं। आदेश 5 मार्च 2026 से 4 मई 2026 तक प्रभावी रहेगा।

'आप' सरकार के राज में अपराध चरम पर, पंजाबी भय के साये में जीने को मजबूर : बाजवा

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को गुरदासपुर में हुई उस सनसनीखेज घटना की कड़ी निंदा की, जिसमें ज्वैलर्स के एक परिवार को हथियारबंद लुटेरों ने बंधक बनाकर लूट लिया।

उन्होंने कहा कि इस घटना ने एक बार फिर मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार के शासन में कानून-व्यवस्था के चिंताजनक पतन को उजागर कर दिया है। बाजवा ने कहा कि इस तरह का दुस्साहसी अपराध पंजाब की मौजूदा जमीनी हकीकत को दर्शाता है, जहां अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आम नागरिक अपनी सुरक्षा को लेकर लगातार भय के माहौल में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना ने स्थानीय समुदाय को गहराई से झकझोर दिया है और यह गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या राज्य सरकार बुनियादी कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम है। "पंजाब के लोग पुलिस व्यवस्था के पूर्ण पतन को देख रहे हैं। कानून-व्यवस्था विज्ञापनों, प्रचार अभियानों और खोखले दावों से नहीं चल सकती। सरकार को समझना चाहिए कि नागरिकों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च जिम्मेदारी है," बाजवा ने कहा। उन्होंने कहा कि इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह डकैती वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के आवास से मात्र 200 मीटर की दूरी पर हुई। बाजवा ने यह भी कहा कि यह वारदात सुबह 8:00 बजे से 9:30 बजे के बीच दिनदहाड़े हुई, जो राज्य में अपराधियों की बढ़ती निर्भीकता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। "यदि एसएसपी के घर के इतने पास और वह भी दिनदहाड़े इतनी बड़ी डकैती हो सकती है, तो राज्य के बाकी हिस्सों में आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं?" बाजवा ने सवाल किया।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान, जिनके पास गृह विभाग भी है, राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। "मुख्यमंत्री कुंभकरण की तरह गहरी नींद में दिखाई दे रहे हैं, जबकि बढ़ते अपराध के कारण पंजाबियों की नींद उड़ चुकी है," उन्होंने टिप्पणी की। बाजवा ने इस घटना की विस्तृत जांच की मांग करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने राज्य सरकार से अपील की कि वह प्रचारबाजी छोड़कर पुलिस व्यवस्था को मजबूत करे और पंजाब के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कर उनका विश्वास बहाल करे।

मिजोरम यूनिवर्सिटी में सड़क सुरक्षा एवं जनस्वास्थ्य पर व्याख्यान

• **जालंधर ब्रीज.** देहरादून

सड़क सुरक्षा जागरूकता और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में अपने 25 वर्षों के सतत मिशन के अंतर्गत पद्म श्री से सम्मानित प्रो. डॉ. बी. के. एस. संजय ने मिजोरम विश्वविद्यालय में एक विशेष व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता, दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा जनस्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर उन्होंने मिजोरम के माननीय राज्यपाल जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. विजय कुमार सिंह से शिष्टाचार भेंट की तथा उन्हें अपनी पुस्तकों की प्रति भेंट की। राज्यपाल ने सड़क सुरक्षा एवं जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में डॉ. संजय द्वारा किए जा रहे दीर्घकालीन प्रयासों की सराहना की और इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। व्याख्यान के दौरान डॉ. संजय ने युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने और समाज में इसके संदेश को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

30 जून तक 45,000 किलोमीटर सड़कों का होगा निर्माण : लोक निर्माण मंत्री

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार के लोक निर्माण विभाग द्वारा पारदर्शी टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से पिछले चार वर्षों में 1464 करोड़ रुपये की बचत की गई है। लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने बताया कि विभाग द्वारा टेंडर प्रक्रिया शुरू करने से पहले की प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक और तर्कसंगत बनाए जाने के कारण यह बचत संभव हो सकी है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने 30 जून, 2026 तक राज्य की 45,000 किलोमीटर सड़कों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसमें 4700 किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण के साथ-साथ पुरानी सड़कों के रखरखाव और चौड़ीकरण का कार्य भी शामिल है। उन्होंने बताया कि इस कार्य पर 16,209 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सीएम फ्लाइंग स्क्वॉड द्वारा लगातार जांच की जा रही है। इसके अलावा सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्य की समीक्षा के लिए रोजाना जिला-वार और सर्कल-वार समीक्षा बैठकें भी की जा रही हैं। ईटीओ ने बताया कि पंजाब राज्य में सड़क घनत्व 154 किलोमीटर प्रति 100 वर्ग किलोमीटर है। उन्होंने कहा कि भले ही केंद्र सरकार द्वारा पंजाब का आर.डी.एफ. का 8800 करोड़ रुपये लंबे समय से जारी नहीं किया गया है, फिर भी मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के लोगों को बेहतर सड़क नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है।

अमित शाह की मोगा में बदलाव रैली को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश

जालंधर (जालंधर ब्रीज). 14 मार्च को मोगा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में होने वाली बदलाव रैली के उपलक्ष्य में वेस्ट विधानसभा क्षेत्र में पढ़ते मंडल नंबर 10 के अध्यक्ष मुनीश बल की अध्यक्षता में पार्षद पति अमित सिंह संधा के निवास स्थान पर एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विशेष रूप से पूर्व सांसद सुशील रिंकू, रैली के इंचार्ज अमरजीत सिंह अमरी तथा सह-इंचार्ज देविंद्र भारद्वाज उपस्थित हुए। बैठक के दौरान पूर्व सांसद सुशील कुमार रिंकू और बदलाव रैली के लिए वेस्ट विधानसभा के इंचार्ज अमरजीत सिंह अमरी ने आगामी बदलाव रैली की पूरी कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कार्यकर्ताओं को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में बताया। मंडल अध्यक्ष मनीष बल ने विश्वास दिलाया कि मंडल में से सभी कार्यकर्ता पूरे उत्साह और जोश के साथ रैली में भाग लेंगे। इस मौके पर पार्षद पति अमित सिंह संधा, तरसेम थापा, जसा फिरोजपुरिया, महामंत्री विकास शर्मा, सुनील चोपड़ा, राणा नैयर, वरुण तनेजा, दलेर सिंह चठा, दिनेश चौहान, प्रदीप खुल्लर, राजीव भगत, मुरारी लाल भार्गव, सौरभ गुप्ता, सुमन राणा, किरण भगत, उर्मिल शर्मा, रोहित सलवान, सुरजीत बाजवा व अन्य उपस्थित रहे।

फिट इंडिया कार्निवल का आयोजन एनएसएनआईएस, पटियाला में 7 से

पटियाला (जालंधर ब्रीज). भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के अधीन नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस), पटियाला, 7 से 9 मार्च 2026 तक एनएसएनआईएस परिसर, पटियाला में फिट इंडिया कार्निवल 2026 का आयोजन करेगा। तीन दिवसीय इस कार्निवल का उद्देश्य सभी आयु वर्ग के लोगों को विभिन्न शारीरिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करके "फिटनेस को मनोरंजन के रूप में" बढ़ावा देना है। यह आयोजन खिलाड़ियों, फिटनेस के शौकीनों, छात्रों और आम जनता को फिटनेस और स्वास्थ्य के जीवंत उत्सव में एक साथ लाएगा।

फिट इंडिया कार्निवल का उद्घाटन समारोह 7 मार्च 2026 को सुबह 9:00 बजे एनएसएनआईएस, पटियाला में आयोजित किया जाएगा। इस कार्निवल में योग सत्र, जुम्बा फिटनेस सत्र, विभिन्न खेलों के प्रदर्शन, पारंपरिक खेल, मज़ेदार फिटनेस चुनौतियाँ और लोगों को सक्रिय रहने के लिए प्रेरित करने हेतु डिज़ाइन किए गए इंटरैक्टिव अनुभव क्षेत्र सहित कई प्रकार की आकर्षक गतिविधियाँ शामिल होंगी। कार्निवल का एक विशेष आकर्षण 8 मार्च 2026 को आयोजित होने वाला 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम होगा, जिसका आयोजन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर किया जा रहा है। यह कार्यक्रम पटियाला की महिलाओं और नागरिकों को साइकिल चलाने और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है। फिट इंडिया कार्निवल का समापन समारोह 9 मार्च 2026 को शाम 5:45 बजे एनएसएनआईएस, पटियाला में आयोजित किया जाएगा।

'युद्ध नशे विरुद्ध' और 'गैंगस्टरा ते वार' अभियान तहत जालंधर देहाती पुलिस द्वारा विशेष नाकाबंदी

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब के पुलिस महानिदेशक के निर्देशानुसार सीनियर पुलिस कप्तान जालंधर (देहाती) हरविंदर सिंह विर्क के नेतृत्व में आज शाम 6 बजे से 9 बजे तक विभिन्न स्थानों पर विशेष नाकाबंदी की गई। इस दौरान थाना प्रभारियों (एसएचओ) और पुलिस टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में नाके लगाकर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन जांच की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अपराधी गतिविधियों पर अंकुश लगाना, कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और आम लोगों में सुरक्षित माहौल बनाना है। इसके अलावा, इलाकों में नाइट डोमिनेशन ऑपरेशन भी चलाए जा रहे हैं ताकि रात के समय भी क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित रहे।

जालंधर देहाती पुलिस ने सभी लोगों से अपील की है कि यदि उन्हें अपने क्षेत्र में

किसी भी प्रकार की अपराधी गतिविधि, गैंगस्टरों या संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस से साझा करें। डीजीपी पंजाब और पंजाब सरकार की ओर से ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी देने वालों को 10 लाख रुपये इनाम की व्यवस्था की गई है, और जानकारी देने वाले की पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी। जालंधर देहाती पुलिस के कर्मचारी हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और लोगों की सुरक्षा के लिए दिन-रात ड्यूटी निभा रहे हैं।

पीपीसीबी द्वारा एसजीपीसी के सहयोग से सफलतापूर्वक चलाई गई 'प्लास्टिक-मुक्त होला मोहल्ला' मुहिम

लंगर कमेटियों को लाखों की संख्या में वितरित किए गए बायोडिग्रेडेबल बर्तन

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

सिख धर्म के प्रमुख और ऐतिहासिक पर्व 'होला मोहल्ला' की पवित्रता तथा पर्यावरण की स्वच्छता को बनाए रखने के उद्देश्य से पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने इस आयोजन को प्लास्टिक-मुक्त बनाने के लिए एक व्यापक अभियान सफलतापूर्वक चलाया। इस अभियान के अंतर्गत बोर्ड ने एक महत्वपूर्ण पर्यावरण-हितैषी पहल करते हुए श्री आनंदपुर साहिब में विभिन्न कमेटियों द्वारा संचालित लंगरों में लाखों की संख्या में बायोडिग्रेडेबल और कंपोस्टेबल डिस्पोज़ेबल वस्तुएँ निःशुल्क उपलब्ध करवाईं गईं। पंजाब सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि इस मुहिम का औपचारिक शुभारंभ 1 मार्च 2026 को पीपीसीबी की चेयरपर्सन रीना गुप्ता और

सदस्य सचिव लवनीत दूबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अकाल तख्त साहिब और तख्त श्री केसगढ़ साहिब के जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज्ज से मुलाकात कर किया। अभियान शुरू करने से पहले विभाग ने इसकी प्रारंभिक तैयारियाँ लगभग एक सप्ताह पहले ही शुरू कर दी थीं, जिनमें लंगर कमेटियों से संपर्क करना, उनकी आवश्यकताओं का आकलन करना और जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करना शामिल था। प्रवक्ता ने बताया कि इस अभियान के दौरान विशेष रूप से पर्यावरण-अनुकूल बुनियादी ढांचे के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया गया। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए पी.पी.सी.बी. ने 20 लाख से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले बायोडिग्रेडेबल विकल्पों की आपूर्ति सुनिश्चित की। होला-मोहल्ला के दौरान 7 लाख बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक कप, 6.5 लाख बायोडिग्रेडेबल चम्मच, 2.5 लाख प्लेटें, 5 लाख बायोडिग्रेडेबल कटोरियाँ तथा अन्य सामग्री, 5,000 बायोडिग्रेडेबल कचरा बैग और 30,000 बायोडिग्रेडेबल कैरी बैग (कड़ा प्रसाद के लिए) विभिन्न लंगरों और गुरुद्वारों में वितरित किए गए।

प्रवक्ता के अनुसार इस बड़े अभियान को ज़मीनी स्तर पर लागू करने के लिए पीपीसीबी की 20 समर्पित टीमों और स्वयंसेवकों ने व्यापक सहयोग दिया।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.